भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 2361
गुरुवार, 13 मार्च, 2025/22 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हुबली विमानपत्तन से उड़ान

2361. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) एक निजी विमान कंपनी द्वारा दिल्ली-हुबली उड़ान के प्रचालन के आरंभ से ही इसकी वर्तमान यात्रियों की संख्या कितनी है और समय के साथ मांग में किस प्रकार वृद्धि हुई है;
(ख) मंगलौर, हुबली और बेलगांव विमानपत्तनों का विस्तार करने के लिए प्रस्तावित योजनाओं का ब्यौरा क्या है, जिसमें वर्तमान में विचाराधीन हवाई पट्टी का विस्तार और अन्य अवसंरचना उन्नयन शामिल है;
(ग) हुबली विमानपत्तन से प्रचालनशील उड़ानों की संख्या में वृद्धि करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;
(घ) क्या सरकार उक्त विमानपत्तन से नए मार्ग आरंभ करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) हुबली विमानपत्तन पर अधिक यात्री क्षमता वाले बड़े विमान आरंभ करने के लिए विमान कंपनियों के साथ भागीदारी की संभावना तलाश रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): इंडिगो ने नवंबर 2022 में ए320 विमानों के साथ प्रत्येक दिशा में प्रति सप्ताह 07 उड़ानों के साथ दिल्ली-हुबली मार्ग पर परिचालन आरंभ किया और इस मार्ग पर उड़ानें, आरंभ होने के बाद से 80% के औसत लोड फैक्टर के साथ परिचालित हो रही हैं।

(ख): हुबली और बेलगाम में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के हवाईअड्डों के प्रस्तावित अवसंरचना का उन्नयन इस प्रकार है:

1. हुबली हवाईअड्डा:

क. 16,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला एक नया टर्मिनल भवन निर्माणाधीन है। 3600 वर्ग मीटर के मौजूदा भवन के साथ, कुल 19,600 वर्ग मीटर का टर्मिनल भवन 3.5 एमपीपीए की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होगा और इस परियोजना के पूरा होने की अनुमानित तिथि (पीडीसी)-जनवरी 2026 है।

ख. 2600 मीटर x 45 मीटर रनवे के विस्तार की कोई योजना नहीं है तथा मौजूदा एप्रन में 7 बे हैं, जिन्हें 14 बे तक विस्तारित किया जा सकता है।

2. बेलगाम हवाईअड्डा:;

क. 16,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला एक नया टर्मिनल भवन निर्माणाधीन है। 3600 वर्ग मीटर के मौजूदा भवन के साथ, 19,600 वर्ग मीटर का टर्मिनल भवन 3.5 एमपीपीए की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होगा और इस परियोजना के पूरा होने की अनुमानित तिथि (पीडीसी) -फरवरी 2026 है।

ख. 2300 मीटर x 45 मीटर रनवे के विस्तार की कोई योजना नहीं है, परंतु रीसर्फेसिंग/सुदृढीकरण की योजना बनाई गई है और मौजूदा एप्रन में 6 बे हैं जिन्हें 12 बे तक विस्तारित किया जा सकता है।

मैंगलोर हवाईअड्डा अडानी ग्रुप के पट्टे पर है।

(ग) से (ङ): हुबली हवाईअड्डा वर्तमान में इंडिगो एयरलाइंस के माध्यम से बैंगलोर, मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद और पुणे से जुड़ा हुआ है। हुबली हवाईअड्डे से इंडिगो एटीआर और ए320 नियो-प्रकार के दोनों विमानों का परिचालन करती है।

मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरस्त होने के साथ, भारतीय घरेलू विमानन क्षेत्र को पूर्ण रूप से नियंत्रणमुक्त कर दिया गया है। एयरलाइनें अपने बेड़े में किसी भी प्रकार के विमान को शामिल कर सकती हैं और किसी भी बाजार और नेटवर्क का चयन कर सकती हैं। अतः किसी हवाईअड्डे के लिए या हवाईअड्डे से विमान सेवाएं आरंभ करना, एयरलाइन की प्रचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता पर निर्भर करता है।

******